नारी शक्ति महान

शक्ति, शारदा, सरस्वती,
ये नारी की पहचान।
माँ जगदम्बा, संतोषी और,
काली का गुणगान।।
धन मांगे जिससे व्यापारी
लक्ष्मी उसका नाम।
ना अबला और नहीं बला,
ये नारी शक्ति महान।।

सती सावित्रि, अनुसुईया,
नारी का बलिदान।
झांसी की रानी खिंचवाती,
अब तक सबका ध्यान।।
जग जाती नारी तब होता,
विश्व का कल्याण।
ना अबला और नहीं बला,
ये नारी शक्ति महान।।

प्रथम गुरू है माँ बच्चों की,
घर-घर की ये शान।
बिन माँ के बच्चों को घर भी,
लगता है सुनसान।।
वन्दे मातरम, भारतमाता,
करते सभी बखान।
ना अबला और नहीं बला,
ये नारी शक्ति महान।।

ब्र.कु. सत्यनारायण (टोली विभाग)
ज्ञानसरोवर, आबू पर्वत